नीतिआयोग ने की 3,000 और अटल टिंकरिंग लैब स्थापित करने की घोषणा

संदर्भ

नीतिआयोग के अटल नवाचार मिशन (AIM) ने अटल टिंकरिंग लैब (ATL) की स्थापना के लिये 3,000 और स्कूलों का चयन किया है। इसके साथ ही ATL स्कूलों की कुल संख्या बढ़कर 5,441 हो जाएगी।

महत्त्वपूर्ण बिंदु

- चयनित स्कूलों को देश भर में माध्यमिक विद्यालयों के बच्चों के बीच नवाचार एवं उद्यमिता की भावना बढ़ाने हेतु अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना करने के लिये अगले पाँच वर्षों में बतौर अनुदान 20 लाख रुपए दिये जाएंगे।
- जल्द ही भारत के प्रत्येक ज़िले में ATL की स्थापना की जाएगी जिसका उद्देश्य नवाचार परितंत्र को स्थापित करना है।
- इससे प्रौद्योगिकी नवाचार और शिक्षण व्यवस्था में व्यापक बदलाव आएगा।
- ये 3,000 अतिरिक्त स्कूल ATL कार्यक्रम की पहुँच को काफी हद तक बढ़ा देंगे जिससे और ज़्यादा संख्या में बच्चे टिंकरिंग एवं नवाचार से अवगत हो सकेंगे।
- इसके साथ ही भारत के युवा अन्वेषकों की पहुँच अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों जैसे कि 3डी प्रिंटिंग, रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) और माइक्रोप्रोसेसर तक सुनिश्चित हो जाएगी।
- इन अतिरिक्त ATL स्कूलों से वर्ष 2020 तक 10 लाख से भी ज़्यादा आधुनिक बाल अन्वेषकों को तैयार करने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।
- ये ATL इन विद्यार्थी अन्वेषकों के लिये नवाचार हब (केंद्र) के रूप में कार्य करेंगी जिससे उन्हें उन अनूठी स्थानीय समस्याओं का समाधान ढूंढने में आसानी होगी जिनका सामना उन्हें अपने दैनिक जीवन में करना पड़ता है।
- इन नए अतिरिक्त ATL स्कूलों की स्थापना के साथ ही ATL स्कूलों की संख्या बढ़कर कुल 5,441 हो जाएगी जो सभी राज्यों और सात केंद्रशासित प्रदेशों में से पाँच केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करेंगे।
- इन नए स्कूलों के साथ ही नीतिआयोग के अटल नवाचार मिशन (AIM) के तहत ATL पहल द्वारा सृजित उस सहयोगात्मक परितंत्र में उल्लेखनीय वृद्धि की परिकल्पना की गई है जिसमें विद्यार्थी, शिक्षक, मार्गदर्शक और औद्योगिक भागीदार नवाचार को बढ़ावा देंगे और आज के उन बच्चों में वैज्ञानिक समझ एवं उद्यमिता की भावना विकसित करने के लिये कार्य करेंगे जो आने वाले समय में राष्ट्र निर्माण में सफलतापूर्वक उल्लेखनीय योगदान करेंगे।
- इन नव चयनित स्कूलों से उन सभी औपचारिकताओं के संबंध में शीघ्र ही संपर्क स्थापित किया जाएगा जो उन्हें अनुदान प्राप्त करने और अपने-अपने परिसरों में अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना करने के लिये पूरी करनी है।

अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला

- नीतिआयोग ने अपने प्रमुख कार्यक्रम अटल इनोवेशन मिशन (Atal innovation Mission) के हिस्से के रूप में अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला (Atal Tinkering Lab) नामक पहल की शुरुआत की है।
- माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता बेहतर बनाने के लिये नीतिआयोग ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) के स्कूलों में प्रयोगशालाएँ स्थापित करने की योजना बनाई है।

प्रमुख विशेषताएँ तथा उद्देश्य

- अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला की स्थापना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को ऐसा कौशल प्रदान करना और उन्हें उस प्रौद्योगिकी तक पहुँच प्रदान करना है जो उन्हें समाधान प्रस्तुत करने में सक्षम बनाएगी।
- इन प्रयोगशालाओं का लक्ष्य 500 समुदायों और स्कूलों में 250,000 युवाओं को भविष्य के लिये अभिनव कौशल प्रदान करना है।
- युवाओं द्वारा तैयार की गई परियोजनाओं में गुणवत्तापूर्ण सुधार के लिये परामर्शदाताओं के क्षमता निर्माण और मेकर इकोसिस्टम के साथ संपर्क कायम करने, अवधारणा तैयार करने, डिज़ाइन के बारे में चिंतन करने और उद्योग जगत के विशेषज्ञों के माध्यम से कार्यशालाएँ आयोजित करने में इंटेल की ओर से नीतिआयोग को सहायता मिलेगी।
- नीतिआयोग के अनुसार, यदि भारत को अगले तीन दशकों में निरंतर 9 से 10 प्रतिशत विकास दर कायम रखनी है तो यह अत्यंत आवश्यक होगा कि देश समस्याओं के लिये अभिनव समाधान के उपाय करने में सक्षम हो।
- नीतिआयोग के अटल इनोवेशन मिशन, विशेषकर अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला के बल पर लाखों की संख्या में बाल अन्वेषकों को तैयार करने में मदद मिलेगी, जो युवा उद्यमियों के रूप में विकसित होंगे और भारत का अभूतपूर्व विकास सुनिश्चित हो सकेगा।

- अटल टकिरिंग प्रयोगशाला देश भर के स्कूलों में स्थापति की जाएंगी। इंटेल टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लमिटिड इस कार्य में तकनीकी सहायता प्रदान कर रही है।

नीतिआयोग के अटल नवाचार मशिन के बारे में

- अटल नवाचार मशिन (AIM) देश में नवाचार और उद्यमति की संस्कृति को बढ़ावा देने के लयि भारत सरकार द्वारा की गई एक प्रमुख पहल है।
- AIM का उद्देश्य देश में नवाचार परतिंत्र पर नज़र रखना और नवाचार परतिंत्र में क्रांतकारी परविर्तन लाने के लयि एकछत्र या बृहद संरचना को सृजति करना है, ताकि विभिन्नि कार्यक्रमों के ज़रयि समूचे नवाचार चक्र पर वशिषिट छाप छोड़ी जा सके।
- अटल टकिरिंग लैबोरेटरीज़ (ATL) अन्वेषकों और अटल इन्क्यूबेशन केंद्रों का सृजन करने के साथ-साथ पहले से ही स्थापति इन्क्यूबेशन केंद्रों को आवश्यक सहायता मुहैया कराती है, ताकि निवाचारों को बाज़ार में उपलब्ध कराना और इन नवाचारों से जुड़े उद्यमों की स्थापना करना सुनश्चिति हो सके।

नीतिआयोग

- 1 जनवरी, 2015 को थकि टैंक के रूप में अस्तत्वि में आए नीतिआयोग का मुख्य कार्य न्यू इंडिया के नरि्माण का वज़िन एवं रणनीतकि मसौदा बनाना तथा कार्ययोजनाएँ तैयार करना है।
- केंद्र सरकार की नीतिनिर्धारण संस्था के रूप में नीतिआयोग देश भर से सुझाव आमंत्रति करके जन-भागीदारी एवं राज्य सरकारों की भागीदारी से नीतयिाँ बनाने का काम करता है।
- 15 अगस्त, 2014 को प्रधानमंत्री ने योजना आयोग को भंग करने की घोषणा की थी। उसके बाद जब योजना आयोग भंग हुआ तो उसके साथ ही पंचवर्षीय योजना का युग भी समाप्त हो गया।
- नीतिआयोग की स्थापना के बाद योजनांतर्गत व्यय और गैर-योजनांतर्गत व्यय का अंतर समाप्त हो चुका है।
- अब केंद्र सरकार से राज्य सरकारों को धनराशि का हस्तांतरण केवल केंद्रीय वत्तिआयोग की सफिारशिों के आधार पर होता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/niti-aayog-aim-selected-3000-additional-schools-for-establishment-of-atal-tinkering-labs